सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल

9वीं एवेन्यू, आई.पी.एक्सटेंशन, पटपडगंज,दिल्ली – 110092

सत्र: 2024-25

कक्षा:-6	**विषय:हिन्दी पाठ्यपुस्तक**	**पाठ:8**

मौखिक

1.प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) ढलते सूर्य के लाल प्रकाश में पर्वत और उसके चरणों में बड़ी-सी झील की शोभा देखकर महाराज पुलकित हो गए।

(ख) सायंकाल के प्रकाश में एक छोटे से नगर की हमें दूर तक फैली छतें नजर आ रही थीं।

(ग) स्वाधीन देश के लोग मछलियाँ पकड़कर अपना निर्वाह करते थे।

(घ) प्राणों की बलि देने का शपथ बच्चे, बूढ़े और युवा ले रहे थे।

(ङ) प्रातः काल के समय महाराज अपने शिविर में नए आक्रमण की योजना बना रहे थे उसी समय महाराज से मिलने बूढ़ा आदमी आया।

लिखित

2.प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(क) जंगल की सीमा पर पहुँचकर महाराज ने देखा कि ढलते सूर्य के लाल प्रकाश में सामने एक विशाल पर्वत अपना माथा ऊँचा किए खड़ा था। उसके चरणों में बड़ी-सी झील बिछी हुई, थी। झील इतनी स्वच्छ थी, मानो प्रकृति के अथाह सौंदर्य के लिए एक दर्पण हो। पहाड़ की वादियाँ देवदार के वृक्षों से लदी हुई थीं। पहाड़ की ढलानों पर एक नगर बसा था।

(ख) अपने देश की रक्षा के लिए मछुआरे महाराज की सेना से जमकर लड़े। वे दिन भर लड़ते और रात में अपने मृत संबंधियों की लाशों को ठिकाने लगाते, अपने जख्मों को सहलातें, फिर इस कराल अंधकार में कहीं भी आशा की कोई रेखा न देखते हुए धरती पर हाथ रखकर अपने प्राणों की बलि देने की शपथ लेते।

(ग) वृद्ध पुरूष लंबा था। वह मैला-सा चोगा पहना था। उसकी अवस्था ढल चुकी थी। वह लाठी के सहारे चलता था। उसकी बातों में आत्मविश्वास झलकता था। उसने राजा के घमंड को तोड़ दिया और जीवन का असली ज्ञान दिया।

(घ) महाराज ने वृद्ध को पागल कहा क्योंकि वृद्ध नाखून से बढ़ी हड्डी के वजन के बराबर सोना माँग रहा था। उस सोने का वजन रत्ती भर भी न होता। वृद्ध हड्डी के बदले अपने गुजर-बसर के लिए दूसरा कुछ माँग सकता था।

(ङ) कमाल की हड्डी के विषय में वृद्ध ने बताया कि संसार के सात सिंधुओं का पानी भी यदि सोना बन जाए, तो इस हड्डी की प्यास नहीं बुझा सकता।

3.किसने किससे कहा-

(क) महामंत्री ने राजा से कहा

(ख) महाराज ने महामंत्री से पूछा

(ग) द्वारपाल ने महाराज से कहा

(घ) दूसरे मंत्री ने महाराज और पहले मंत्री से कहा

(ङ) वृद्ध व्यक्ति ने महाराज से कहा

4.सही विकल्प के आगे () का चिह्न बनाइए-

(क) राज्य के उत्तरी पर्वतों पर

(ख) स्वर्ण-मुद्राएँ

(ग) कामना की हड्डी